पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल जी ने चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के नैक प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया

———————

नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालयों से सम्पर्क कर उनके अनुभवों व सुझाव के आधार पर तैयारी करें

———————

विश्वविद्यालय द्वारा किये गये ई–कन्टेंट तथा अनुसंधान कार्य विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपलोड कराये

———————

गांव को गोद लेकर उसे आदर्श गांव के रूप में विकसित करें

–श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 26 अक्टूबर, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के समक्ष आज राजभवन लखनऊ में नैक मान्यता के निर्धारित मापदण्ड प्राप्त करने हेतु चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर ने वर्ष 2016–2017 से वर्ष 2020–2021 तक की अपनी स्वमूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय विगत 5 वर्ष की उपलब्धि की रिपोर्ट नैक के लिये निर्धारित सभी 7 मानकों के साथ तैयार करें तथा और 7 कमेटी गठित कर प्रत्येक कमेटी को प्रतिवर्ष का डाटा संकलन की जिम्मेदारी भी दें, ताकि विश्वविद्यालय का सतत मूल्यांकन किया जा सके।

कुलाधिपति जी ने कहा कि नैक मूल्यांकन के समय गठित कमेटियां अपने–अपने विषय पर उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण दें। उन्होंने कहा कि इस कार्य हेतु अभी से तैयारी शुरू कर दें। राज्यपाल जी ने सुझाव दिया कि नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड प्राप्त करने वाले 8–10 विश्वविद्यालयों से सम्पर्क कर उनके अनुभवों व सुझाव के आधार पर तैयारी करें साथ ही विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों, खेलकूद, सेमिनार, पूर्व छात्र सम्मेलन, रोजगार मेले जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दें, इससे नैक मूल्यांकन के समय अधिक अंक अर्जित किये जा सकते है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन में विश्वविद्यालय द्वारा किये गये

अनुसंधान और उसका उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में किस सीमा तक हुआ है, इसका विशेष महत्व है। इसलिये लैब–टू–लैण्ड कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दें और गांव को गोद लेकर उन्हें हर तरह से सुविधा सम्पन्न करते हुए "आदर्श" गांव के रूप में विकसित करें।

राज्यपाल जी ने कहा कि विभागवार जो अच्छे कार्य किये गये है उनको भी नैक मूल्यांकन के समय दर्शाया जाये। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं, उरद एवं मूंग उत्पादन के लिये किये जा रहे न्यूक्लियर सीड प्रोडक्शन प्रोग्राम एवं ब्रीडर सीड़ प्रोडक्शन कार्यक्रम की सराहना करते हुए उसे और अधिक बढ़ाये जाने के निर्देश दिये, ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सके। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किये गये ई–कन्टेंट तथा अनुसंधान कार्य विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपलोड कराये और समस्त शैक्षणिक स्टॉफ एवं वैज्ञानिकों की कार्य गतिविधियों का भी मूल्यांकन करे तथा उत्तरोत्तर सुधार वाले कार्मिकों को प्रोत्साहित भी करें।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डी0 आर0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन हेतु आवेदन कर दिया है तथा मूल्यांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु समस्त बिंदुओं पर गहराई से परीक्षण करते हुए तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की बेस्ट प्रैक्टिस में न्यूक्लियर सीड प्रोडक्शन तथा ब्रीडर सीड़ प्रोडक्शन, गांव को गोद लेकर उसे आदर्श गांव के रूप में विकसित करना, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तायुक्त शिक्षण कार्य, विद्यार्थियों का प्लेसमेंट, सेमिनार, खेलकूद, किचन गार्डेन के लिये मोटिवेशन आदि विषयों को प्रमुखता से शामिल किया गया है तथा विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों को आनलाइन किये जाने के प्रयास चल रहे है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ये सभी कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कर लिये जायेगें।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज एल. जॉनी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

————————

राम मनोहर त्रिपाठी/राजभवन (69/26)
सम्पर्क सूत्र
9453005360

राजभवन उत्तर प्रदेश

राजभवन उत्तर प्रदेश